

प्रसामारस

EXTRAORDINAKY

भाग 🗓 सन्द ८ -- उपकार (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राविकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 139]

नई दिल्ली, शुक्रवार, धनेल 10, 1970/बैन 20, 1892

No. 139]

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 10, 1970/CHAITRA 20, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह घलग संकलन के रूप में रक्षा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

ORDER

New Delhi, the 9th April, 1970

S.O. 1364.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S. O. 620/18A/IDRA/69 dated 14th February 1969 the management of the industrial undertaking known as New Maneckchock Spinning and Weaving Company Ltd. had been taken over by the Authorised Controller referred to in the order mentioned above for a period upto and Lichard February, 1970;

And whereas the Central Government being of the opinion that it was expedient in public interest so to do, by Order of the Government of India, Ministry of Foreign Trade, No. S.O. 616 dated 13th February 1970 directed that the aforesaid notified Order dated 14th February 1969 shall continue to have effect upto and inclusive of 23rd March, 1970;

And whereas the Central Government being of the opinion that it was expedient in public interest so to do by Order of the Government of India. Ministry of Foreign Trade No. S.O. 1101 dated 18th March, 1970 directed that the aforesaid notified Order dated 14th February, 1969 shall continue to have effect for a further period up to and inclusive of 9th April, 1970;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said undertaking by the said Authorised Controller should continue for a further period of one year that is up to and inclusive of the 9th April, 1971;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the provise to sub-section (2) of Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) the Central Government hereby directs that the Order first mentioned above shall continue to have effect for a further period up to and inclusive of the 9th April, 1971.

[No. F. 9(115)/69-Tex(G).]

C. S. RAMACHANDRAN, Addl. Scey.

विवेशी ग्याभार मंत्रालय

भ्रादेश

नई दिल्ली, 9 अप्रैल 1970

का० गा० 1364.—यत: भारत सरकार के श्रौद्योगिक विकास, श्रान्तरिक व्यापार तथा समवाय कार्य मंत्रालय (श्रौद्योगिक विकास विभाग) के श्रादेश सं० का० शा० 620/18ए/श्राई० डी० श्रार० ए०/69, दिनांक 14 फरवरी, 1969 द्वारा त्यू मानक चौक स्पिनिंग एण्ड वीत्रिंग कं० लिमिटेड नामक श्रौद्योगिक उपक्रम का प्रचन्ध उपरोक्त श्रादेश में निर्दिष्ट प्राधिकृत नियन्त्रक द्वारा 13 फरवरी, 1970 तक, जिसमें वह तारीख भी शामिल है, की श्रवधि के लिए प्रहण कर लिया गया था ;

प्रौर यतः केन्द्रीय सरकार का यह मत था कि ऐसा करना लोकहित में समीचीन था ग्रतः भारत सरकार के विदेशी व्यापार मंत्रालय के श्रादेश सं० का० ग्रा० 616, दिनांक 13 फरवरी, 1970 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने यह निदेश दिया था कि 14 फरवरी, 1969 का उपरोक्त ग्रधिसूचित श्रादेश, 23 मार्च, 1970 तक, जिसमें बहु नारीख भी शामिल थी, की श्रवधि के लिए प्रभावी रहेगा;

श्रीर यतः केन्द्रीय मरकार का यह मत था कि ऐसा करना लोकहित में समीचीन था, श्रतः भारत सरकार के विदेशी व्यापार मंत्रालय के श्रादेश सं० का० आ० 1101, दिनांक 18 मार्च, 1970 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने यह िदेश िया था कि दिनांक 14 फरवरी, 1969 का उपरोक्त अधिसूचित श्रादेश 9 श्रप्रैल, 1970 तक, जिसमें यह तारीख भी शामिल थी, कि श्रवधि के लिए प्रभावी रहेगा ।

श्रीर यत: केन्द्रीय सरकार का यह मत है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त प्राधिकृत नियन्त्रक द्वारा उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण एक वर्ष की श्रीर ग्रवधि के लिए ग्रथीत् 9 ग्रप्रैल, 1971 तक, जिसमें यह तारीख भी शामिल है, बना रहना चाहिए;

श्रतः, श्रवः, श्रीद्योगिक (विकास तथा विनियमन) श्रिष्टिनियम, 1951 (1951 का 65) को बारा 18ए की उप-धारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनव्द्रारा निदेश देती है कि ऊपर विणित प्रथम आदेश का प्रभाव 9 श्रप्रैल, 1971 तक, जिससे यह तारीख भी शामिल है, की अवधि के लिए श्रौर बना रहेगा।

[सं० फा॰ 9 (115)/69-टैक्स (जी)] सी॰ एस॰ रामचन्द्रन, ग्रवर सचिव ।